रणजीत टाइम्स

इंदौर

शुक्रवार, 19 सितम्बर, 2025

वर्ष 01 | अंक 234 | कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

फिर बनाया नवजात शिशु के शव को बंधक, मेडिकेयर हॉस्पिटल पलासिया इंदौर

इंदौर के मेडिकेयर हॉस्पिटल पलासिया में एक बार फिर अमानवीय घटना सामने आई। स्कीम नंबर 78 निवासी ऐश्वर्या बोरासिया ने अस्पताल में एक पुत्र को जन्म दिया था।

नवजात को ICU में रखा गया, जहाँ इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इलाज के दौरान ही अस्पताल प्रबंधन ने परिजनों से 30,000 वसूल लिए थे। लेकिन मौत के बाद अस्पताल ने शव से संबंधित दस्तावेजों पर साइन करवाने के बावजूद, नवजात का शव परिजनों को देने से मना कर दिया और उल्टे 50,000 की अतिरिक्त माँग कर डाली। मामले की जानकारी मिलते ही अखिल भारतीय बलाई महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज जी परमार के नेतृत्व में संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता अस्पताल पहुँचे। संघर्ष के बाद नवजात शिशु का शव मुक्त कराकर परिजनों को सौंपा गया। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष चिंटू मालवीय, भाजपा नेता लखन देपाले इंदौर वाले दिनेश हिरवे, संतोष अलोने, पवन भावसार, दिनेश कुलपारे, गोलू चौधरी, धर्मेंद्र कुंवाल सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

माँ अहिल्या की नगरी में सुरक्षित इंदौर का संकल्प-राजेश दंडोतिया की खास मुलाकात

इंदौर। रणजीत टाइम्स के सह-संपादक श्री आदित्य शर्मा जी ने हाल ही में इंदौर पुलिस के एडिशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच श्री राजेश दंडोतिया जी से विशेष भेंटवार्ता की। इस अवसर पर आदित्य शर्मा जी ने उन्हें माँ अहिल्या देवी की प्रतिमा भेंट कर उनका स्वागत किया। खास बातचीत के दौरान श्री दंडोतिया जी ने इंदौर शहर में बढ़ते अपराधों और उन्हें रोकने के लिए अपनाई जा रही रणनीतियों पर विस्तार से अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि- अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस निरंतर कड़े कदम और त्वरित कार्रवाई कर रही है। आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर अपराधियों पर नजर रखी जा रही है। जनजागरूकता और सामाजिक सहभागिता के बिना अपराध नियंत्रण संभव नहीं है। उन्होंने जनता से अपील की कि वे सतर्क रहें, तुरंत सूचना दें और पुलिस का सहयोग करें, जिससे अपराधियों को रोकने में तेजी लाई जा सके। इस मौके पर रणजीत टाइम्स के सह-संपादक श्री आदित्य शर्मा जी ने कहा कि- "इंदौर की पहचान देश के सबसे सुरक्षित शहर के रूप में बनी रहे, इसके लिए मीडिया और पुलिस दोनों का संयुक्त प्रयास आवश्यक है।" यह मुलाकात इस संदेश के साथ संपन्न हुई कि माँ अहिल्या की नगरी में सुरक्षित और अपराध-मुक्त इंदौर का संकल्प तभी साकार होगा जब पुलिस और समाज एक साथ मिलकर कार्य करेंगे।

इंदौर कृषि उपज मंडी सचिव श्री नरेश कुमार परमार की खास मुलाकात -रणजीत टाइम्स सह-संपादक आदित्य शर्मा जी के साथ

इंदौर। इंदौर कृषि उपज मंडी के सचिव श्री नरेश कुमार परमार जी से रणजीत टाइम्स के सह-संपादक आदित्य शर्मा जी ने विशेष मुलाकात की। इस अवसर पर मंडी की व्यवस्था, किसानों को मिलने वाली सुविधाएँ, पारदर्शिता और भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई।

चर्चा के मुख्य बिंदु- किसानों को उनकी उपज का समुचित मूल्य समय पर दिलाना सर्वोच्च प्राथमिकता। मंडी में भंडारण, तौल व्यवस्था और पारदर्शी लेन-देन को और बेहतर करने पर विशेष ध्यान। किसानों की सुविधा हेतु आधुनिक तकनीक और डिजिटल पेमेंट सिस्टम को बढ़ावा। मंडी में साफ-सफाई और सुविधाओं के स्तर

को उन्नत करने के लिए ठोस कदम। श्री परमार जी ने कहा कि किसान समाज की रीढ़ हैं और उनका हित ही मंडी समिति का मुख्य उद्देश्य है। इस अवसर पर रणजीत टाइम्स के सह-संपादक आदित्य शर्मा जी ने कहा- "मंडी किसानों की मेहनत और भविष्य से जुड़ी है। किसानों की आवाज़ को जनता और प्रशासन तक पहुँचाना मीडिया का दायित्व है। रणजीत टाइम्स सदैव किसानों के हितों के साथ खड़ा है।" यह खास भेंटवार्ता इस संदेश के साथ समाप्त हुई कि-"मंडी का विकास ही किसान की प्रगति है।

चुनाव आयोग पर कांग्रेस का सीधा हमला, जीतू पटवारी बोले- बीजेपी का एजेंट बन चुका है आयोग, माफिया राज से त्रस्त है प्रदेश

उमरिया। मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने एक बार फिर से प्रदेश सरकार और केंद्र की मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है। गुरुवार को अल्प प्रवास पर उमरिया पहुंचे पटवारी ने मीडिया से बातचीत में भ्रष्टाचार, माफिया राज, चुनाव आयोग और लोकतंत्र की स्थिति पर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि पूरे मध्य प्रदेश में करप्शन का बोलबाला है और सरकार पूरी तरह से मीडिया मैनेजमेंट के सहारे चल रही है। वल्लभ भवन की पांचवीं मंजिल से माफिया पूरी तरह से हावी हो चुका है। खनिज माफिया, रेत माफिया, बजरी माफिया और खनन माफिया खुलकर सक्रिय हैं और पुलिस इनका संरक्षण कर रही है। जीतू पटवारी ने शहडोल की अपनी हाल

की यात्रा का हवाला देते हुए कहा कि वहां सैकड़ों ट्रक खड़े मिले। जब उन्होंने खुद एक ट्रक पर चढ़कर रॉयल्टी की जांच की तो पाया कि समय सही नहीं था। यह साबित करता है कि प्रदेश में पुलिस और प्रशासन का काम माफिया राज को पनपाना और उसका हिस्सा बनना है। चुनाव आयोग पर हमला बोलते हुए पटवारी ने कहा कि आयोग अब स्वतंत्र नहीं रहा बल्कि बीजेपी का एजेंट बन चुका है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी और चुनाव आयोग मिलकर वोट चोरी कर सरकार बनाने की परंपरा शुरू कर चुके हैं। राहुल गांधी ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस बात को स्पष्ट किया है कि लोकतंत्र खतरे में है और आम नागरिक के हक पर हमला हो रहा है। पटवारी ने कहा कि पहले कांग्रेस सरकार में चुनाव आयोग की नियुक्ति सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश, नेता प्रतिपक्ष और प्रधानमंत्री मिलकर करते थे, लेकिन अब प्रधानमंत्री और गृहमंत्री मिलकर नियुक्ति कर रहे हैं। यही वजह है कि आयोग बीजेपी के साथ खड़ा दिखाई देता है।

राहुल गांधी की प्रेस कॉन्फ्रेंस का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने बार-बार आम नागरिक के अधिकार की लड़ाई लड़ी है और आज फिर देश के सामने उदाहरण रखा है। लेकिन चुनाव आयोग चुप्पी साधे हुए है और बीजेपी उसकी ओर से जवाब दे रही है। उन्होंने यहां तक कहा कि अगर चुनाव आयोग अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों को निभाने में असफल रहता है तो मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के लिए महाअभियोग लाना चाहिए। जीतू पटवारी ने साफ किया कि कांग्रेस पार्टी आने वाले समय में भी लोकतंत्र और आम जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष करती रहेगी। उनका कहना था कि राहुल गांधी ईमानदार नेता हैं और पहले भी हक की लड़ाई लड़ चुके हैं, आगे भी इस लड़ाई को जारी रखेंगे।

प्रेमानंद महराज के समर्थन में उतरे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद, धीरेंद्र शास्त्री और रामभद्राचार्य पर कसा तंज, शंकराचार्य निश्चलानंद सरस्वती को बताया बड़ा विद्वान

संत समाज में चल रहे विवाद पर अब जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का बड़ा बयान सामने आया है। संत प्रेमानंद महराज जी पर स्वामी रामभद्राचार्य की टिप्पणी के बाद से ही संतों में नाराजगी बढ़ी हुई है और कई साधु-संत रामभद्राचार्य के कथन पर कड़ी असहमति जता चुके हैं। इस बीच स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें उन्होंने प्रेमानंद महराज का पक्ष लिया है और रामभद्राचार्य तथा उनके शिष्य धीरेंद्र शास्त्री पर भी तीखी टिप्पणी की है। वीडियो में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद कहते नजर आ रहे हैं कि वृंदावन के प्रेमानंद महराज भगवान के नाम का प्रचार कर रहे हैं। यदि कोई संत दिन-रात राधे-राधे, कृष्ण-कृष्ण, हे गोविंद, हे गोपाल का जप कर रहा है तो वह संस्कृत ही बोल रहा है। उन्होंने कहा कि रामभद्राचार्य जी का यह कहना कि प्रेमानंद महराज को संस्कृत नहीं आती, बिल्कुल गलत है। भगवान का नाम ही संस्कृत है और उसका उच्चारण करना ही संस्कृत बोलना है। अविमुक्तेश्वरानंद ने सवाल उठाया कि क्या भगवान का नाम संस्कृत में नहीं है या उसके संबोधन संस्कृत भाषा में नहीं आते?

धीरेंद्र शास्त्री को लेकर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि वह अक्सर कहते हैं कि वे शंकराचार्य का बहुत सम्मान करते हैं, लेकिन साथ ही कहते हैं कि वे हर दो दिन में गाली बकते रहते हैं। अविमुक्तेश्वरानंद ने इस शब्दावली पर आपत्ति जताते हुए कहा कि बकना शब्द का अर्थ होता है व्यर्थ की बात करना और यह किसी आदरणीय व्यक्ति के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता। उन्होंने तीखा कटाक्ष करते हुए कहा कि अगर कोई ऐसा शब्द इस्तेमाल करता है तो यह उसकी नहीं बल्कि उसके गुरु की मूर्खता है। इसी तरह स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने रामभद्राचार्य की उस टिप्पणी पर भी असहमति जताई जिसमें उन्होंने कहा था कि पुरी के शंकराचार्य संस्कृत नहीं बोलते। उन्होंने कहा कि भाषा का प्रयोग इच्छा पर निर्भर करता है, कोई जबरदस्ती किसी को बोलने पर मजबूर नहीं कर सकता। पुरी के शंकराचार्य जी संस्कृत के गहरे विद्वान हैं और उनके प्रवचन गहनता से सुने जाने योग्य हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पुरी के शंकराचार्य निश्चलानंद सरस्वती जी का ज्ञान और उनकी विद्वत्ता इतनी गहरी है कि जिन शब्दों का वे हिंदी में प्रयोग करते हैं, उनके अर्थ समझना भी रामभद्राचार्य के लिए कठिन हो जाएगा। इस पूरे विवाद ने संत समाज में गहरी बहस छेड़ दी है। जहां एक ओर प्रेमानंद महराज के समर्थन में संत खुलकर सामने आ रहे हैं, वहीं रामभद्राचार्य और धीरेंद्र शास्त्री पर साधु-संत लगातार सवाल उठा रहे हैं। इस घटनाक्रम से यह साफ हो गया है कि संत समाज के भीतर वैचारिक मतभेद अब सार्वजनिक रूप से सामने आ चुके हैं।

बालाघाट में नक्सली गतिविधि का खुलासा पुलिस भर्ती के विरोध में लगाए पोस्टर और बैनर, सुरक्षाबलों की सर्चिंग तेज

मध्य प्रदेश। नक्सल प्रभावित बालाघाट जिले में एक बार फिर नक्सलियों की गतिविधि सामने आई है। जिले के कई इलाकों में नक्सलियों ने बैनर और पोस्टर लगाए हैं, जिनमें पुलिस भर्ती प्रक्रिया का विरोध किया गया है। इन बैनरों और पर्चों में लिखा गया है कि पुलिस भर्ती के जरिए युवाओं को गुमराह कर मुखबिर बनाया जा रहा है। नक्सलियों ने चेतावनी देते हुए युवाओं से अपील की है कि वे भर्ती प्रक्रिया में शामिल न हों और पुलिस से दूरी बनाए रखें। पोस्टर और बैनर मिलते ही पुलिस प्रशासन हरकत में आ गया है। जिले में अलर्ट जारी कर सुरक्षाबलों की तैनाती बढ़ा दी गई है। संदिग्ध इलाकों में सघन सर्चिंग अभियान चलाया जा रहा है ताकि नक्सलियों की गतिविधियों पर तुरंत लगाम लगाई जा सके। पुलिस का कहना है कि यह हरकत युवाओं में दहशत फैलाने और भर्ती प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश है, लेकिन किसी भी हालत में नक्सलियों के मंसूबे कामयाब नहीं होने दिए जाएंगे। बालाघाट लंबे समय से नक्सल प्रभावित इलाका माना जाता है। यहां अक्सर नक्सली अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए दीवारों पर नारे लिखते हैं, पर्चे बांटते हैं और कभी-कभी सुरक्षाबलों को चुनौती देने वाली गतिविधियां भी करते हैं। इस बार भी पुलिस भर्ती को लेकर उन्होंने विरोध जताया है, जिससे साफ है कि नक्सली नहीं चाहते कि युवा मुख्यधारा से जुड़ें। फिलहाल पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां पूरे जिले में हाई अलर्ट पर हैं और गांव-गांव में तलाशी अभियान जारी है।

पीएम मोदी के स्वागत की अनोखी तैयारी, भाजपा कार्यकर्ताओं को ताली और नारे लगाने की मिली ट्रेनिंग

धार। जिले के बदनावर के भैंसोला ग्राम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन से पहले भाजपा कार्यकर्ताओं को जिस तरह की ट्रेनिंग दी गई, उसने सोशल मीडिया पर खूब चर्चा बटोर ली है। प्रधानमंत्री 'पीएम मित्र पार्क' के शिलान्यास कार्यक्रम में पहुंचे थे और उनके स्वागत को यादगार बनाने के लिए भाजपा नेताओं ने कार्यकर्ताओं को बाकायदा तालियां बजाने और 'मोदी-मोदी' के नारे लगाने का अभ्यास कराया। वायरल हो चुके वीडियो में भाजपा के प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंह कार्यकर्ताओं को समझाते नजर आ रहे हैं कि प्रधानमंत्री के मंच पर आते ही तालियों की गड़गड़ाहट गूंजनी चाहिए और लगातार 'मोदी-मोदी' के नारे लगते रहने चाहिए। उन्होंने यहां तक कहा कि जब तक प्रधानमंत्री मंच पर मौजूद रहें, तालियां और नारे बिना रुके जारी रहने चाहिए। इस दौरान प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता भी मौजूद थे। उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की और स्वागत के तौर-तरीके समझाए। नेताओं ने यह भी कहा कि ताली बजाने और नारेबाजी का मकसद सिर्फ जोश बढ़ाना नहीं है, बल्कि जनता को भी उत्साहित करना है ताकि वह भी तालियों और नारों में शामिल हो जाए। कार्यकर्ताओं को दी गई इस ट्रेनिंग के वीडियो ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है। कुछ लोग इसे भाजपा की तैयारी और अनुशासन का हिस्सा मान रहे हैं, जबकि विरोधी दल इस पर तंज कस रहे हैं कि स्वागत तक को स्क्रिप्टेड बनाने की कोशिश की जा रही है।अब सवाल उठता है कि क्या ऐसे अभ्यास से वास्तव में जनसमर्थन बढ़ता है, या फिर यह केवल दिखावटी उत्साह है। सोशल मीडिया पर लोगों की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं आ रही हैं और यह वीडियो राजनीतिक बहस का नया मुद्दा बन गया है।

पीएमश्री कॉलेज की पार्किंग में शराब और गांजा पार्टी का वीडियो वायरल, सुरक्षा पर सवाल

सतना। जिले के गहरा नाला स्थित पीएमश्री एक्सिलेंस शासकीय स्वशासी डिग्री कॉलेज में लापरवाही का ऐसा मामला सामने आया है जिसने पूरे शैक्षणिक माहौल पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे 15 सेकंड के एक वीडियो में कॉलेज की पार्किंग में कुछ युवक खुलेआम शराब और गांजा पीते हुए दिखाई दे रहे हैं। यह घटना कॉलेज की छवि पर बड़ा धब्बा है, खासकर इसलिए क्योंकि हाल ही में इसी परिसर में युवा संसद जैसे प्रतिष्ठित आयोजन का सफलतापूर्वक समापन हुआ था। स्थानीय लोगों और छात्रों का कहना है कि यह पहली बार नहीं हुआ है। पहले भी यहां ऐसी घटनाएं सामने आ चुकी हैं, लेकिन कॉलेज प्रशासन और सुरक्षा व्यवस्था हमेशा चुप्पी साधे रहती है। वीडियो में दिख रहे युवकों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है और यह भी स्पष्ट नहीं है कि वे कॉलेज के ही छात्र हैं या बाहर से आए लोग। बावजूद इसके, इस घटना ने परिसर की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। लोगों का कहना है कि जब कॉलेज जैसी जगहों पर खुलेआम नशे की पार्टियां होने लगें और प्रशासन मूकदर्शक बना रहे, तो छात्रों के भविष्य पर गंभीर खतरा मंडराने लगता है। इससे न केवल पढ़ाई का माहौल बिगड़ता है बल्कि कॉलेज की प्रतिष्ठा पर भी दाग लगता है। अब सवाल यह उठता है कि क्या कॉलेज प्रशासन और जिला प्रशासन इस मामले को गंभीरता से लेकर दोषियों पर कार्रवाई करेगा, या फिर यह मामला भी पहले की घटनाओं की तरह अनदेखा कर दिया जाएगा। स्थानीय लोगों की मांग है कि दोषियों की तुरंत पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएं, ताकि शैक्षणिक वातावरण को बचाया जा सके और छात्रों का भविष्य सुरक्षित रह सके।

रणजीत टाइम्स

मानसून की दस्तक से झमाझम बरसे बादल, बारिश का आंकड़ा 36 इंच पर पहुँचा, खेतों में सोयाबीन की फसल पर संकट गहराया

इंदौर। शहर के आसमान पर पिछले कई दिनों से मंडरा रहे बादल आखिरकार जमकर बरसे और बुधवार शाम से गुरुवार सुबह तक हुई तेज बारिश ने इंदौर को सवा दो इंच पानी दे दिया। मौसम विभाग के मुताबिक, इस बारिश के साथ ही शहर का मानसून सीजन का कुल आंकड़ा 36 इंच पर पहुँच गया है, जबकि जिले का औसत सालाना कोटा 37.5 इंच होता है। यानी अब इंदौर केवल डेढ़ इंच पीछे है। विभाग ने संकेत दिए हैं कि बारिश का सिलसिला आने वाले दिनों में भी जारी रहेगा और नवरात्रि के दौरान गरबा आयोजनों पर भी इसका असर पड़ सकता है। मौसम केंद्र, विमानतल के अनुसार, पिछले 24 घंटे में शहर में 2.23 इंच वर्षा दर्ज की गई। दिन में तेज धूप और उमस भरी गर्मी से तापमान

32.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच गया था, लेकिन शाम होते-होते बादलों ने अचानक रुख बदल लिया। जमकर हुई बारिश ने रात का न्यूनतम तापमान घटाकर 21.2 डिग्री कर दिया। बारिश के साथ आई तेज हवाओं की रफ्तार 56 किलोमीटर प्रति घंटा तक रही, जिसने शहरवासियों को ठंडक का अहसास तो कराया, लेकिन किसानों की चिंता और बढ़ा दी। दरअसल, लौटते मानसून की यह बारिश खेतों में कटाई को तैयार सोयाबीन की फसल पर भारी पड़ रही है। तेज बारिश से खेत लबालब हो गए हैं और फसल के दागी होने तथा उत्पादन में गिरावट की आशंका गहराने लगी है। देपालपुर, सांवेर, बेटमा, गौतमपुरा, हातोद, महू और पीथमपुर जैसे क्षेत्रों के किसान खास तौर पर चिंतित हैं। हार्वेस्टर मशीनों की कमी और एक साथ बड़े पैमाने पर कटाई की जद्दोजहद के बीच बारिश ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। लसूडिया के किसान दिलीप सिंह पवार बताते हैं कि इस बार जून में ही बोवनी दो से तीन बार करनी पड़ी थी, जिससे शुरुआत खराब रही। तीन हफ्ते पहले फसल पर पीला मोजेक रोग का प्रकोप भी देखा गया था और अब बारिश की मार ने संकट और बढ़ा दिया है। मेठवाड़ा के सरपंच महेश हाड़ा ने कहा कि फसल नुकसान के सर्वे के लिए प्रशासनिक स्तर पर पहल हुई थी, लेकिन बीमा कंपनियों की उदासीनता के चलते किसानों को अभी तक राहत नहीं मिली है। कुल मिलाकर, इंदौर शहरवासी तो मानसून की इस बारिश से ठंडी हवाओं और उमस से राहत महसूस कर रहे हैं, लेकिन किसानों की मेहनत और सालभर की कमाई पर संकट के बादल गहराते जा रहे हैं। अब देखना यह है कि प्रशासन किसानों की इस परेशानी पर कितनी गंभीरता से कदम उठाता है।

'डांसिंग कॉप' रंजीत सिंह विवादों में, वायरल वीडियो के बाद लाइन अटैच -युवती के आरोपों से मचा बवाल

युवती की और डांसिंग कॉप की चैट जांच से होगी हकीकत सामने

इंदौर। ट्रैफिक नियमों का पालन कराने के अपने अनोखे अंदाज और डांसिंग स्टाइल के कारण 'डांसिंग कॉप' के नाम से मशहूर पुलिसकर्मी रंजीत सिंह इस बार एक गंभीर विवाद में फंस गए हैं। एक युवती द्वारा सोशल मीडिया पर डाले गए वीडियो ने पूरे पुलिस महकमे को हिला दिया है। युवती ने अपने वीडियो में दावा किया है कि रंजीत सिंह ने उसे मैसेज भेजकर इंदौर आने के लिए फ्लाइट टिकट और होटल में रुकने का ऑफर दिया था। युवती ने इसे अनुचित व्यवहार बताते हुए सार्वजनिक किया और आरोप लगाए कि पुलिसकर्मी ने उसकी गरिमा के साथ खिलवाड़ करने की कोशिश की। जैसे ही यह वीडियो वायरल हुआ, इंदौर पुलिस विभाग ने तुरंत संज्ञान लेते हुए रंजीत सिंह को यातायात थाने से लाइन अटैच कर दिया, यानी अस्थायी तौर पर उनकी सक्रिय ड्यूटी रोक दी गई है।

विभागीय अधिकारियों ने साफ किया है कि आरोपों की जांच की जा रही है और निष्कर्ष आने के बाद ही आगे की कार्रवाई तय होगी। दूसरी ओर रंजीत सिंह ने वीडियो जारी कर सफाई भी दी अपने ऊपर लगे आरोपों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह सब उनकी छवि को खराब करने और बदनाम करने की एक साजिश है। रंजीत ने साफ कहा कि उन्होंने कभी किसी युवती को इस तरह का संदेश नहीं भेजा और न ही फ्लाइट या होटल से जुड़ा कोई ऑफर दिया। उन्होंने विभागीय जांच में सहयोग का भरोसा दिलाते हुए कहा कि उनके डांस वीडियो हमेशा समाज को जागरूक करने और पॉजिटिविटी फैलाने के मकसद से बनाए जाते रहे हैं, और इन्हें ही उनकी पहचान मिली है। यह पहला मौका नहीं है जब रंजीत सिंह चर्चा में आए हों। इससे पहले भी उनके ट्रैफिक नियमों पर जागरूक करने वाले डांस वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुए थे और उन्हें देशभर से सराहना मिली थी। लेकिन इस बार मामला उनकी इमेज के उलट है, क्योंकि यहां उन पर गंभीर निजी आरोप लगे हैं। अब सबकी निगाहें विभागीय जांच पर टिकी हैं, जिससे साफ होगा कि सच कौन सा है-युवती के आरोप या रंजीत सिंह की सफाई।

नाले के तेज बहाव में बच्चा बहा, सुबह मिली लाश

इंदौर। जिले के ग्रामीण इलाके में बारिश के कारण बढ़े नाले के तेज बहाव में एक 8 वर्षीय बच्चा बह गया, जिसकी आज सुबह खोजबीन के बाद लाश मिल गई। घटना मायाखेड़ी ओमेक्स सिटी के पास हुई। बताया जा रहा है कि बच्चा रपट के पास खड़ा था, तभी अचानक नाले का जलस्तर बढ़ गया और वह बह गया। राजवीर नामक बच्चा पिता राजपाल मालवी के साथ घर के पास था। बच्चे के पिता कुछ समय के लिए गाड़ी लगाने गए थे, इसी दौरान हादसा हुआ। नाले में बहने के तुरंत बाद खोजबीन शुरू की गई। रात के अंधेरे के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन रोक दिया गया, लेकिन आज सुबह होमगार्ड के राहुल गुप्ता और उनकी टीम ने फिर से तलाश शुरू की। बच्चे की खोजबीन के लिए नाले में बास भी लगाया गया, ताकि शव का पता चल सके। तलाश के दौरान पुलिया के नीचे कांटों के बीच राजवीर का शव फंसा हुआ मिला। राजवीर माता-पिता का एकलौता बेटा था, उसकी एक बड़ी बहन है। परिवार देवास जिले के फालियां का रहने वाला है, और पिता राजपाल चौकीदारी का काम करते हैं। इस घटना ने स्थानीय ग्रामीणों में गहरी शोक की लहर फैला दी है और बारिश के दौरान नदियों और नालों के तेज बहाव से बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता पैदा कर दी है।

राजा रघुवंशी हत्याकांड सोनम रघुवंशी की जमानत याचिका खारिज

इंदौर। मुख्य आरोपी और राजा की पत्नी सोनम रघुवंशी ने न्यायालय में जमानत के लिए अपील की थी, लेकिन शिलांग पुलिस की आपत्ति के बाद यह याचिका खारिज कर दी गई। शिलांग पुलिस ने इस मामले में 790 पेज का चालान प्रस्तुत किया है, जिसमें सोनम रघुवंशी द्वारा रची गई हर साजिश का विस्तार से जिक्र किया गया है। पुलिस ने कोर्ट को बताया कि सोनम ने हत्या की योजना और अन्य अपराधों में सक्रिय भूमिका निभाई। जानकारी के अनुसार, इस केस से जुड़े तीन अन्य आरोपियों को पहले ही जमानत मिल चुकी है। सोनम की जमानत खारिज होने के बाद अब उन्हें न्यायिक हिरासत में रहकर जांच प्रक्रिया में सहयोग करना होगा। यह घटना स्थानीय प्रशासन और न्यायिक प्रणाली के लिए गंभीर मुद्दा बनी हुई है, और आगे की सुनवाई में सभी साक्ष्यों और चालान को ध्यान में रखते हुए अगली कार्रवाई की जाएगी।

गरीब व वंचित वर्ग का सहारा बनें पैरालीगल वॉलेंटियर्स न्याय सबके लिए संकल्प को करें मजबूतः न्यायाधीश

हरदा (निप्र)। म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री अरविंद रघुवंशी के मार्गदर्शन में 16 सितम्बर से ए.डी.आर. भवन, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हरदा में नव-नियुक्त पैरालीगल वालेंटियर्स के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम तीन दिवसों तक संचालित किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री रघुवंशी ने द्वीप प्रज्वलित कर किया। उन्होने नवनियुक्त पैरालीगल वॉलेंटियर्स को नालसा द्वारा संचालित की जा रही पैरालीगल वॉलेंटियर्स योजनाओं के बारे में बताया। इस अवसर पर सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, श्री चन्द्रशेखर राठौर ने समाज में पैरालीगल वॉलेंटियर्स

की आवश्यकता तथा उनके द्वारा समाज निर्माण में किये जाने वाले महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय श्री सुधीर कुमार चौधरी ने विवाह, बच्चों को गोद लेने संबंधी नियमों, तलाक संबंधी नियमों, तथा सम्पत्तियों की खरीदी तथा विक्रय संबंधी पहलुओं के बारे में पैरालीगल वॉलेंटियर्स को प्रशिक्षित किया गया ताकि वे इन सभी कानूनों के बारे में जानकारी प्राप्त करके समाज में पीड़ित लोगों की मदद कर सके तथा उनको विधिक सहायता उपलब्ध करा सके।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में तृतीय अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश श्री निसार अहमद ने नवनियुक्त पैरालीगल वॉलेंटियर्स को बच्चों के लिंग निर्धारण, भ्रूण हत्या, दहेज प्रताड़ना, आदि से संबंधित विधिक प्रावधानों के बारे में जानकारी दी, जिससे कि वे समाज में चल रही कुप्रथाओं पर रोक लगाकर उन्हें उचित सलाह दे सके। द्वितीय अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश श्री निमिष राजा ने आपराधिक कानूनों जैसे भारतीय दण्ड संहिता व सीआरपीसी के अंतर्गत आने वाली कुछ महत्वपूर्ण धाराओं तथा जमानत व गिरफ्तारी संबंधी तथ्यों के बारे में नवनियुक्त पैरालीगल वॉलेंटियर्स को बताया, ताकि वॉलेंटियर्स इन धाराओं की जानकारी के माध्यम से पीड़ित लोगों की मदद करके उन्हें विधिक सहायता उपलब्ध करा सके। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला विधिक सहायता अधिकारी, श्री सौरभ कुमार दुबे ने नवनियुक्त पैरालीगल वॉलेंटियर्स को उनके कर्तव्यों तथा कार्यों की जानकारी दी।

नाले में बहे आठ साल के बच्चे की मौत, 4 घंटे बाद शव खोज लिया

तेज बारिश और बहाव बना हादसे का कारण, परिजनों में शोक

इंदौर। शहर के मायाखेड़ी क्षेत्र में बुधवार रात दर्दनाक हादसा हुआ। ओमेक्स सिटी के पास रहने वाला 8 वर्षीय राजवीर मालवीय नाले में गिरकर बह गया। देर रात से शुरू हुई तलाश के बाद आज गुरुवार सुबह उसका शव बरामद किया गया। राजवीर अपने पिता राजपाल मालवीय के साथ नाले के पास मौजूद था। पिता थोड़ी दूरी पर वाहन खड़ा करने गए थे और बेटे को ओटले पर बैठाकर गए थे। करीब 10 मिनट बाद लौटने पर राजवीर वहां नहीं मिला।

संपादकीय

बिहार से दिल्ली तक विवादों में चुनाव आयोग

चुनाव आयोग एक स्वायत्त संस्था है, जो संविधान के अनुसार देश में चुनाव प्रक्रिया का संचालन करता है। संवैधानिक प्राधिकार होने के नाते आयोग से उम्मीद की जाती है कि वह निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से काम करेगा। देश में नागरिकों के मताधिकार को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी भी इसी की है। ऐसे में सवाल है कि अगर चुनाव आयोग कानून और मानदंडों के मुताबिक अपना काम कर रहा है तो उसकी कार्यप्रणाली को संदेह की नजर से क्यों देखा जा रहा है? आयोग पर निष्पक्षता और पारदर्शिता नहीं बरतने के आरोप बार-बार क्यों लग रहे हैं? बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) की प्रक्रिया पर सवाल उठने की वजह क्या है? इस मामले को सर्वोच्च न्यायालय ने भी गंभीरता से लिया है। हालांकि शीर्ष अदालत ने उम्मीद जताई है कि बिहार में चुनाव आयोग एसआइआर में कानून का पालन कर रहा होगा। साथ ही आगाह भी किया है कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो इस पूरी प्रक्रिया को रद्द कर दिया जाएगा। इससे साफ है कि चुनाव आयोग पर विश्वास की नींव अब कमजोर होती नजर आ रही है। बिहार में सबसे पहले एसआइआर की प्रक्रिया के समय को लेकर सवाल उठे थे। विपक्षी दलों का तर्क था कि राज्य में कुछ माह बाद विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और यहां से एसआइआर की शुरुआत करना चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर संदेह पैदा करता है। इसके बाद देश एवं राज्य की नागरिकता के प्रमाण के लिए तय किए ग्यारह दस्तावेजों में आधार कार्ड को शामिल नहीं करने पर आयोग सवालों के घेरे में आ गया था।

सर्वोच्च न्यायालय ने आयोग को इस विषय पर विचार करने को कहा था, लेकिन आयोग ने यह तर्क देते हुए इनकार कर दिया कि आधार कार्ड पर विश्वास नहीं किया जा सकता। इसके बाद शीर्ष अदालत को इस पर नए सिरे से निर्देश देना पड़ा, तब आयोग ने बिहार में अंतरिम व्यवस्था के रूप में आधार कार्ड को नागरिकता के प्रमाण दस्तावेजों की सूची में शामिल किया। यहां गौर करने वाली बात है कि आज बैंक खाता खुलवाने से लेकर रसोई गैस के पंजीकरण के लिए आधार जरूरी है, तो फिर उसकी विश्वसनीयता को स्वीकारने में संकोच क्यों है। और फिर इस बात की क्या गारंटी है कि आयोग ने नागरिकता प्रमाण के तौर पर जिन ग्यारह दस्तावेजों को शामिल किया है, उनमें कोई फर्जीवाड़ा नहीं हो सकता है।

सर्वोच्च न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि चुनाव आयोग एक संवैधानिक प्राधिकार है और उसे देश भर में एसआइआर की प्रक्रिया शुरू करने से रोका नहीं जा सकता। सवाल सिर्फ यह है कि इस प्रक्रिया में कानून का पालन हो रहा है या नहीं। चुनाव आयोग अब राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी में है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि बिहार में जो आशंकाएं पैदा हुई हैं, उनके निराकरण के बिना आयोग आगे कैसे बढ़ सकता है। इसमें दो राय नहीं कि मतदाता सूची को साफ-सुथरा बनाना चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है। सूची से उन लोगों के नामों को हटाना जरूरी है, जिनकी मौत हो चुकी है या जिनके पास वैध मतदाता पहचान पत्र नहीं हैं। मगर, इस कवायद में यह ध्यान रखना भी जरूरी है कोई पात्र नागरिक मतदान के अधिकार से वंचित न हो। इसका उत्तरदायित्व भी चुनाव आयोग का ही है।

हमारी दाल की कटोरी पर कनाडा-ऑस्ट्रेलिया का कब्जा

दलहनी फसलों को बढ़ावा देने के सरकार के अनेक प्रयासों के बावजूद अगर दलहन का आयात बढ़ता जा रहा है, तो इसका मुख्य कारण किसानों का इन फसलों को अपनाने के लिए आगे न आना, जागरूकता के अभाव में नवाचारों को न अपनाना तथा जंगली जानवरों द्वारा फसलों को नष्ट कर देना है। एक और बड़ा कारण देश के अनेक हिस्सों में दलहनी फसलों का सिर्फ वर्षा आधारित खेती पर निर्भर होना है। हाल के वर्षों में जलवायु परिवर्तन के कारण अनियमित वर्षा एवं सूखा आम बात हो गई है, इससे मूंग, उड़द, काला चना और अरहर दाल जैसी फसलें सिमटती जा रही हैं, जो कुल दलहनी फसलों का लगभग चालीस फीसद तक है। एक सर्वे के मुताबिक, देश में दाल के लिए सालाना बोए जाने वाले ढाई करोड़ हेक्टेयर क्षेत्रफल में से लगभग पंद्रह फीसद ही सिंचित क्षेत्र है, जबकि इसके ठीक उलट गेहूं और गन्ना के लिए 90-95 फीसद तक सिंचित क्षेत्रफल है।

रणजीत टाइम्स

यह आश्चर्यजनक है कि भारत एक कृषि प्रधान देश है, फिर भी यहां लोगों की थाली में जो दाल रहती है, वह जरूरी नहीं कि स्वदेशी ही हो। संभावना है कि वह किसी दूसरे देश से अच्छे-खासे दामों में आयात की गई हो। इससे खुदरा बाजार में हम महंगी दाल खरीदने के लिए विवश हो जाते हैं। दूसरी तरफ, इससे देश को राजस्व का नुकसान भी झेलना पड़ता है। एक आंकड़े के मुताबिक, बीते वर्ष इकतीस करोड़ से अधिक कीमत की दाल आयात की गई है। देश का दलहन आयात विगत छह वर्षों में बढ़ कर चौरासी फीसद तक जा पहुंचा है।

देश में कुल खपत की लगभग चौदह फीसद दाल विदेश से आयात की जाती है। म्यांमा, मोजांबिक, तंजानिया, आस्ट्रेलिया और कनाडा जैसे देशों से मुख्य रूप से दालों का आयात किया जाता है। यह स्थिति तब है, जब भारत दुनिया के प्रमुख दाल उत्पादक देशों में शामिल रहा है। हमारे यहां दाल की खपत विश्व की कुल खपत का करीब सत्ताई फीसद है। देश के कुल खाद्यान्न उत्पादन में दलहनी फसलों की हिस्सेदारी लगभग बीस फीसद तक है। चालू वित्तीय वर्ष में देश में सड़सठ लाख टन विभिन्न दालों का आयात किया गया, जो अब तक का सर्वाधिक है और इसमें पीली मटर की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा इकतीस फीसद तक है।

विशेषज्ञों का अनुमान है कि वर्ष 2025 के अंत तक पीली मटर का आयात 20.4 लाख टन तक पहुंच जाएगा, जबकि 2024 में यह 11.6 लाख टन था। पीली मटर के अलावा चना, मसूर, उड़द और अरहर दाल के आयात में तेजी से उछाल देखा गया है। अगर हम विश्व की कुल दलहन उत्पादकता की बात करें, तो भारत के बाद म्यांमा, कनाडा, चीन, आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका में दाल की सर्वाधिक पैदावार होती है। पिछले वर्ष कनाडा साठ लाख सत्तर हजार मीट्रिक टन दाल उत्पादन के साथ विश्व का एक प्रमुख दाल उत्पादक देश बन कर उभरा, जबकि एक दशक पूर्व उसका उत्पादन बीस लाख मीट्रिक टन से भी कम था। कनाडा की यह वृद्धि दालों की बढ़ती वैश्विक मांग की पूर्ति से होने वाली कमाई और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने के परिणामस्वरूप हुई है।

दूसरे देशों में दालों के बढ़ते रकबे पर एक रोचक तथ्य यह है कि वर्ष 1970 के दशक के मध्य में भारत ने आस्ट्रेलिया को कुल 400 ग्राम दलहनी फसलों का बीज दिया था और अगले एक दशक में वहां नब्बे लाख हेक्टेयर जमीन में दलहन की खेती की जाने लगी। आज स्थिति यह है कि हम आस्ट्रेलिया से स्वयं दाल आयात करने लगे हैं।

हालांकि, केंद्र सरकार किसानों को दलहन सहित अन्य खाद्यान्नों का उचित मूल्य दिलाने के लिए कृषि लागत एवं मूल्य आयोग की सहायता से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की घोषणा करती है। इसके तहत प्रयास होता है कि फसल उत्पादन की लागत से कम से कम डेढ़ गुना से अधिक दाम किसानों को मिले। मूंग, उड़द, मसूर, अरहर और चना की फसलें भी उन तेईस फसलों में शामिल हैं, जो एमएसपी के तहत आती हैं। न्यूनतम समर्थन मूल्य का चलन वर्ष 1966 से है। शुरुआत में यह सिर्फ गेहूं और धान के लिए था, मगर

बाद में इसमें कई अन्य फसलों को भी शामिल किया गया।

देश में दलहनी फसलों का रकबा बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार वर्ष 2007 से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन योजना चला रही थी, जिसे 2024-2025 में बदल कर राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन कर दिया गया है। इस योजना के तहत उच्च उत्पादन वाली उन्नत प्रजातियों का इस्तेमाल, उन्नत विधियों का प्रदर्शन, एकीकृत पोषक तत्त्व, कीट एवं रोग प्रबंधन और उन्नत कृषि यंत्रों को प्रचलन में लाकर प्रगतिशील खेती करने के लिए अनेक कृषि उपकरणों पर अलग-अलग राज्यों द्वारा कमोबेश पचास फीसद या उससे अधिक सबसिडी प्रदान की जाती है। इस योजना के तहत फसल के दौरान प्रशिक्षण के माध्यम से किसानों की क्षमता निर्माण समेत अन्य आवश्यक पहलुओं पर भी काम किया जाता है।

इन सबसे इतर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद समेत अन्य अनुसंधान संस्थान सभी दलहनी फसलों पर अनवरत शोध एवं विकास कर रहे हैं। विगत दस वर्षों में दलहनी फसलों की व्यावसायिक खेती के निमित्त 343 उच्च उपज वाली विभिन्न किस्मों और हाइब्रिड किस्मों को आधिकारिक तौर पर मान्यता दी गई है। गुणवत्तापूर्ण दलहन के बीजों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए 150 बीज केंद्रों की स्थापना की गई है।

दलहनी फसलों को बढ़ावा देने के सरकार के अनेक प्रयासों के बावजूद अगर दलहन का आयात बढ़ता जा रहा है, तो इसका मुख्य कारण किसानों का इन फसलों को अपनाने के लिए आगे न आना, जागरूकता के अभाव में नवाचारों को न अपनाना तथा जंगली जानवरों द्वारा फसलों को नष्ट कर देना है। एक और बड़ा कारण देश के अनेक हिस्सों में दलहनी फसलों का सिर्फ वर्षा आधारित खेती पर निर्भर होना है। हाल के वर्षों में जलवायु परिवर्तन के कारण अनियमित वर्षा एवं सूखा आम बात हो गई है, इससे मूंग, उड़द, काला चना और अरहर दाल जैसी फसलें सिमटती जा रही हैं, जो कुल दलहनी फसलों का लगभग चालीस फीसद तक है।

एक सर्वे के मुताबिक, देश में दाल के लिए सालाना बोए जाने वाले ढाई करोड़ हेक्टेयर क्षेत्रफल में से लगभग पंद्रह फीसद ही सिंचित क्षेत्र है, जबकि इसके ठीक उलट गेहूं और गन्ना के लिए 90-95 फीसद तक सिंचित क्षेत्रफल है। प्राय: देखने में आता है कि अब अगर किसानों को सिंचाई की सुविधा भी मुहैया होती है, तो भी वे दलहनी फसलों से मुंह मोड़ रहे हैं। जबकि दलहनी फसलें अपने अद्वितीय गुणों के कारण अन्य सभी फसलों से बिल्कुल अलग हैं।

कृषि विशेषज्ञों के मुताबिक, अधिकांश दलहनी फसलें अपने पचहत्तर फीसद नाइट्रोजन की पूर्ति जड़ों से कर लेती हैं, इसकी वजह इनकी जड़ों में पाई जाने वाली गांठों में राइजोबियम नामक जीवाणु है। ये जीवाणु नाइट्रोजन को खेत में पहुंचा देते हैं। इससे एक ओर जहां दलहनी फसलों को इसकी पूर्ति हो जाती है, तो दूसरी ओर आगामी फसल के लिए भी मिट्टी में पर्याप्त मात्रा में नाइट्रोजन बच जाती है।

इस तरह से किसानों को यूरिया के रूप में एक बड़े खर्च की बचत हो जाती है, जिससे लागत में कमी आती है। दलहनी फसलों के पौधे फैल कर बढ़ते हैं, जिससे ये मृदा को आवरण प्रदान करते हुए उसके कटाव को रोकते हैं। दलहनी फसलों के अवशेष को हरी खाद के रूप में प्रयोग कर मृदा में जीवांश पदार्थ की मात्रा बढ़ाई जा सकती है। इतने फायदे होने के बाद भी यदि देश को दालों का आयात करना पड़ रहा है, तो इसे किसानों में जागरूकता का अभाव ही कहा जाएगा।

किसानों को कृषि में हो रहे नवाचारों जैसे उन्नत सिंचाई विधियों, उन्नत प्रजातियों का विकास और उन्नत तकनीकों का प्रयोग करते हुए दलहनी फसलों के उत्पादन के लिए आगे आना चाहिए। किसान अपने उत्पादक संगठनों के माध्यम से बिचौलियों की भूमिका को कम कर फसल को सीधे बाजार में बेच सकता है। इससे उन्हें अच्छे दाम मिलेंगे और परिणामस्वरूप दलहनी फसलों का उत्पादन उनके लिए निश्चित रूप से मुनाफे का सौदा होगा।

अनाज और कपास व्यापार का हब

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारतीय अर्थव्यवस्था में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) को विकास की रीढ़ कहा जाता है। यह क्षेत्र न केवल करोड़ों लोगों को रोजगार देता है, बल्कि नवाचार को बढ़ावा देने और स्थानीय व क्षेत्रीय विकास को गति देने में भी बड़ी भूमिका निभाता है। इन्हीं संभावनाओं और चुनौतियों पर चर्चा के लिए अमर उजाला की ओर से 'एमएसएमई फॉर भारत कॉन्क्लेव' का आयोजन किया जा रहा है। रोहतक में एमएसएमई फॉर भारत कॉन्क्लेव का आयोजन 18 सितंबर को दोपहर 11 से 2 बजे तक होगा। इसका अयोजन स्थल राधाकृष्णन सभागार, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय है। इस अवसर पर उद्योग, व्यापार और विकास जगत से जुड़े कई प्रमुख लोग शामिल होंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हरियाणा सरकार के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री श्री राजेश नागर होंगे। इस मंच पर विशेषज्ञ डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, वित्त तक आसान पहुंच, सप्लाई चेन के आधुनिकीकरण, निर्यात विस्तार, कौशल विकास और नीति सुधार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार साझा करेंगे। साथ ही, फंडिंग के नए विकल्प, ब्रांडिंग और मार्केटिंग की आधुनिक तकनीकें तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के व्यावहारिक उपयोग पर भी प्रकाश डाला जाएगा। कॉन्क्लेव में विशेष रूप से महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने, एमएसएमई को अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जोड़ने और वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट योजना के जरिए स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने पर जोर दिया जाएगा।

मजबूत कनेक्टिविटी से रोहतक बना औद्योगिक गतिविधियों का केंद्र

कॉन्क्लेव का उद्देश्य

इस मंच पर विशेषज्ञ डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, वित्त तक आसान पहुंच, सप्लाई चेन के आधुनिकीकरण, निर्यात विस्तार, कौशल विकास और नीति सुधार जैसे अहम मुद्दों पर विचार-विमर्श करेंगे। साथ ही, फंडिंग के नए विकल्प, ब्रांडिंग और मार्केटिंग की आधुनिक तकनीकें तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के व्यावहारिक उपयोग पर भी रोशनी डाली जाएगी।

रोहतक के हल्के उद्योग की खासियत

हरियाणा का रोहतक अनाज और कपास के बड़े व्यापार केंद्र के रूप में जाना जाता है। यहां हल्के उद्योग भी सक्रिय हैं, जो स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती देते हैं। शहर दिल्ली-फिरोजपुर मुख्य रेलमार्ग पर स्थित है, जिससे यह उत्तर भारत के व्यापारिक नक्शे में अहम कड़ी बनता है। साथ ही, रोहतक क्षेत्रीय सड़क नेटवर्क का प्रमुख हब है, जहां से दिल्ली, भिवानी, पानीपत और अन्य शहरों तक सुगम संपर्क है। व्यापार और परिवहन दोनों मोर्चों पर अपनी मजबूत स्थिति के चलते रोहतक लगातार औद्योगिक और आर्थिक गतिविधियों का केंद्र बना हुआ है ।यहां उद्योगों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

खेल सामानों के निर्यात से मेरठ की वैश्विक पहचान

भारतीय अर्थव्यवस्था में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) रीढ़ की हड्डी की तरह माने जाते हैं। यह क्षेत्र न सिर्फ करोड़ों लोगों को रोजगार देता है, बल्कि नवाचार को बढ़ावा देने और स्थानीय व क्षेत्रीय विकास की रफ्तार बढ़ाने में भी अहम भूमिका निभाता है। इन्हीं संभावनाओं और चुनौतियों पर चर्चा के लिए अमर उजाला की ओर से 'एमएसएमई फॉर भारत कॉन्क्लेव' का आयोजन किया जा रहा है। मेरठ में एमएसएमईफॉर भारत कॉन्क्लेव का आयोजन 18 सितंबर को शाम 4 से 6 बजे तक होगा। इसका अयोजन स्थल आईआईए ऑडिटोरियम, औद्योगिक क्षेत्र है। इस कार्यक्रम में उद्योग, व्यापार और विकास के क्षेत्र से जुड़े कई प्रमुख लोग शिरकत करेंगे। कॉन्क्लेव में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने, एमएसएमई को अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जोड़ने और वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट योजना के जरिए स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने पर विशेष फोकस रहेगा। एमएसएमई सेक्टर को मजबूत बनाने, उसे नई तकनीक और वित्तीय विकल्पों से जोड़ने और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने में अहम भूमिका निभाते हैं।

टाटा प्ले और वारनर ब्रदर्स डिस्कवरी लेकर आए

आपके बचपन के पसंदीदा कार्टून

मुंबई, एजेंसी। टाटा प्ले पर लाखों भारतीयों का पसंदीदा कार्टून नेटवर्क फॉरएवर शुरू हो रहा है। यह सेवा वारनर ब्रदर्स डिस्कवरी के सहयोग से पेश की जाएगी। इसके माध्यम से हर उम्र के दर्शक अपने बचपन के पसंदीदा कार्टून देख सकेंगे, वो भी बिना विज्ञापन के। यह प्रसारण हिंदी और इंग्लिश में किया जाएगा। 24/7 उपलब्धता के साथ दर्शकों को टॉम एंड जेरी, स्कूबी डू, बेबी लूनी ट्यून्स, डेक्सटर्स लैबोरेटरी, पॉवरपफ गर्ल्स क्लासिक, इड एड एन ऐडी, कोडनेमः किड्स नैक्स्ट डोर जैसे लोकप्रिय कार्टून तथा बैटमैन, सुपरमैन, जस्टिस लीग, ग्रीन लैन्टर्न आदि डीसी के एनिमेटेड शो देखने का मौका मिलेगा। ये सभी कार्टून टीवी के अलावा टाटा प्ले मोबाईल ऐप पर भी उपलब्ध होंगे।

सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो 2025

40 सेमीफाइनलिस्ट टीमों की घोषणा

गुरुग्राम, एजेंसी।
देश के अग्रणी कंज़्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग इंडिया ने अपने युवा-केन्द्रित देशव्यापी इनोवेशन कॉन्टेस्ट 'सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो' के चौथे संस्करण के लिए 40 सेमीफाइनलिस्ट टीमों की राष्ट्रीय सूची घोषित की है। ये टीमें अब प्रतियोगिता के अगले चरण में जाएंगी, जहां उन्हें अपने आइडिया को समाज पर असर डालने वाले समाधान में बदलने के लिए मेंटरशिप, प्रोटोटाइपिंग सपोर्ट और इनोवेशन प्लेटफॉर्म्स तक पहुंच मिलेगी। टॉप 40 टीमों को कुल 8 लाख रुपये की पुरस्कार राशि दी जाएगी, जबकि प्रत्येक टीम मेंबर को एक सैमसंग लैपटॉप प्रदान किया जाएगा।इस साल के सेमीफाइनलिस्ट्स भारत की अद्भुत भौगोलिक विविधता को दर्शाते हैं। इनमें देश के 15 राज्यों के प्रतिभागी शामिल

हैं, जिनमें असम के कछार, उत्तर प्रदेश के बागपत, तेलंगाना के महबूबनगर, छत्तीसगढ़ के दुर्ग और ओडिशा के सुंदरगढ़ जैसे दूरदराज़ के इलाके भी शामिल हैं। यह प्रोग्राम लगातार देशभर के युवा चेंजमेकर्स को सामने लाने का कार्य कर रहा है, ताकि वे टेक्नोलॉजी और इनोवेशन की ताकत से वास्तविक समस्याओं का समाधान खोज सकें।

एस.पी. चुन, कॉरपोरेट वाइस प्रेसिडेंट, सैमसंग साउथवेस्ट एशिया ने कहा, सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो 2025 की टॉप 40 सेमीफाइनलिस्ट टीमों की घोषणा करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है। इन युवाओं में कई टियर-2, टियर-3 शहरों और दूरदराज़ इलाकों से हैं, जो टेक्नोलॉजी की मदद से समाज से जुड़ी असली समस्याओं का हल ढूंढ रहे हैं। इनके आइडिया यह साबित करते हैं कि भारत के युवाओं में बड़े बदलाव लाने की जबरदस्त क्षमता है। जैसे-जैसे वे अगले चरण की ओर बढ़ते हैं, हम उन्हें मेंटरशिप, संसाधन और एक मजबूत मंच देना जारी रखेंगे, ताकि उनके आइडिया एक स्मार्ट और समावेशी भारत के निर्माण में योगदान दे सकें।

शीर्ष ब्रांडों पर धमाकेदार डील्स के साथ

वापस आया आईसीआईसीआई बैंक का 'फेस्टिव बोनांजा'

मुंबई, एजेंसी। आईसीआईसीआई बैंक का वार्षिक 'फेस्टिव बोनांजा' एक बार फिर से आकर्षक ऑफ़र्स के साथ लौट आया है। यह ऑफ़र्स ऑनलाइन शॉपिंग, मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, फैशन, ट्रैवल, किराना, क्विक कॉमर्स, फर्नीचर और डाइनिंग जैसी कई श्रेणियों पर उपलब्ध हैं। ग्राहक 50,000 तक की छूट/कैशबैक का लाभ बैंक के क्रेडिट/डेबिट कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग, कार्डलेस ईएमआई और कंज़्यूमर फाइनेंस का उपयोग कर उठा सकते हैं। साथ ही, वे क्रेडिट/डेबिट कार्ड पर नो-कॉस्ट ईएमआई का विकल्प भी चुन सकते हैं। बैंक ने एप्पल, फ्लिपकार्ट, क्रोमा, रिलायंस डिजिटल, वनप्लस, मेकमाईट्रिप, गोआईबिबो, यात्रा, ब्लिंकिट, स्विगी, आजियो, डिस्ट्रिक्ट और पेप्परफ्राई जैसे प्रमुख ब्रांड्स के साथ साझेदारी की है। 23 सितम्बर से 2 अक्टूबर, 2025 तक ग्राहकों को 4,500 तक की अतिरिक्त 10 प्रतिशत छूट मिलेगी। ग्राहक आईसीआईसीआई बैंक क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड ईएमआई के ज़रिए एप्पल-अथॉराइज़्ड स्टोर्स पर खरीदारी करते समय 6,000 तक का इंस्टैंट कैशबैक ले सकते हैं। लॉन्च के अवसर पर आईसीआईसीआई बैंक के एग्ज़ीक्यूटिव डायरेक्टर, श्री राकेश झा ने कहा, हर साल हमारा 'फेस्टिव बोनांजा' त्योहारों की खुशी और मूल्य को और बढ़ाता है।

जीटीआरआई ने किया दावा

ट्रंप के टैरिफ से भारत का अमेरिका को निर्यात लगातार तीसरे महीने घटा

नई दिल्ली, एजेंसी। ट्रंप के टैरिफ के कारण अगस्त में भारत का अमेरिका को निर्यात लगातार तीसरे महीने गिरा है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने यह जानकारी दी है। रिपोर्ट के अनुसार अगस्त में निर्यात तेजी से घटकर 6.7 अरब डॉलर रह गया, जो जुलाई की तुलना में 16.3 फीसदी की गिरावट है। यह 2025 की सबसे बड़ी मासिक गिरावट है। यह गिरावट तब आई जब अमेरिका ने 27 अगस्त को भारतीय वस्तुओं पर शुल्क दोगुना कर 25 फीसदी से 50 फीसदी कर दिया।

गिरावट जून में शुरू हुई। मई में 4.8 प्रतिशत की वृद्धि के बाद, जिसने निर्यात को 8.8 अरब डॉलर तक पहुंचा दिया, जून में निर्यात 5.7 प्रतिशत घटकर 8.3 अरब डॉलर रह गया। जुलाई में एक और गिरावट देखी गई, जो 3.6 प्रतिशत घटकर 8.0 अरब डॉलर रह गई। अगस्त की गिरावट ने घाटे को और बढ़ा दिया, जिससे निर्यातकों पर भारी दबाव पड़ा। जीटीआरआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि टैरिफ में बढ़ोतरी निर्यात में गिरावट को दर्शाती है। अप्रैल तक, भारतीय सामान नियमित शुल्कों के तहत अमेरिका में आते थे। 5 अप्रैल से 10 प्रतिशत सार्वभौमिक टैरिफ लगाने के वाशिंगटन के फैसले का शुरुआत में ज्यादा असर नहीं हुआ, क्योंकि खरीदारों ने मई में ही खरीदारी शुरू कर दी थी। लेकिन जून आते-आते, नए शुल्कों ने भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता को नुकसान पहुंचाना शुरू कर दिया और ऑर्डर दूसरे आपूर्तिकर्ताओं के पास चले गए।

अंग्रेजों से नहीं मानी हार, बैंक की नौकरी छोड़ शुरू किया साइकिल रिपेयरिंग का काम

आज 166200 करोड़ की कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल में कारोबार करने का जुनून हो तो कोई भी राह रोक नहीं सकती। ऐसा ही कुछ किया टीवी सुंदरम अयंगर ने। आपने टीवीएस कंपनी का नाम सुना होगा। वही कंपनी जो अपने टू-व्हीलर के लिए काफी फेमस है। इस कंपनी की शुरुआत टीवी सुंदरम अयंगर ने साल 1911 में रखी थी।

वह दौर अंग्रेजों का था। उस समय टीवी सुंदरम इम्पीरियल बैंक (अब स्टेट बैंक ऑफ इंडिया) में नौकरी करते थे। लेकिन सिर पर कारोबार शुरू करने का जुनून था। लेकिन अंग्रेजों के राज में उन्हें आगे बढ़ने का मौका नहीं मिला। उन्होंने बैंक की नौकरी छोड़ी और कारोबार की दुनिया में कदम रख दिया।

टीवी सुंदरम के जीवन में बदलाव तब आया जब उन्होंने देखा कि ब्रिटिश सरकार द्वारा बनाई गई रेलवे प्रणाली केवल अंग्रेजों के लिए थी।

उन्हें लगा कि भारतीय ग्रामीणों को भी इसकी जरूरत है। इसलिए, उन्होंने एक बस सेवा शुरू करने का फैसला किया जो उन्हें रेलवे स्टेशनों से जोड़ेगी। उस समय उनके पास पैसे नहीं थे और पहले के बिजनेस भी फेल हो चुके थे। इसलिए, उन्होंने पहली बार अपने पिता से मदद मांगी। उन्होंने 5 शेवरले बसें खरीदीं और तमिलनाडु के शहरों के बीच बस चलाने की परमिशन मांगी। लेकिन, साउथ इंडियन रेलवे ने इसका विरोध किया।

बदल दिया प्लान

टीवी सुंदरम को परमिशन नहीं मिली, तो उन्होंने अपना प्लान बदल दिया। उन्होंने ग्रामीणों को उनके घरों से रेलवे स्टेशनों तक ले जाने का फैसला किया। इस समझौते से पहली टीवीएस परिवहन सेवा शुरू हुई। उनके लिए यह भी आसान नहीं था। गांव वाले बसों से डरते थे क्योंकि वे बैलगाड़ियों के आदी थे। इसलिए उनकी पत्नी खाना बनाती थीं और एक शामियाना के नीचे परोसती थीं। लोग खाना खाने आते थे और टिकट खरीद लेते थे। और इस प्रकार टीवीएस कंपनी शुरू हो चुकी थी।

शुरू में नहीं मिली कामयाबी : ऐसा नहीं है कि कारोबार की दुनिया में कदम रखते ही कामयाबी मिल जाती है। टीवी सुंदरम भी उन्हीं में से थे। उन्होंने बैंक की नौकरी छोड़ने के बाद साइकिल रिपेयरिंग का काम शुरू किया।

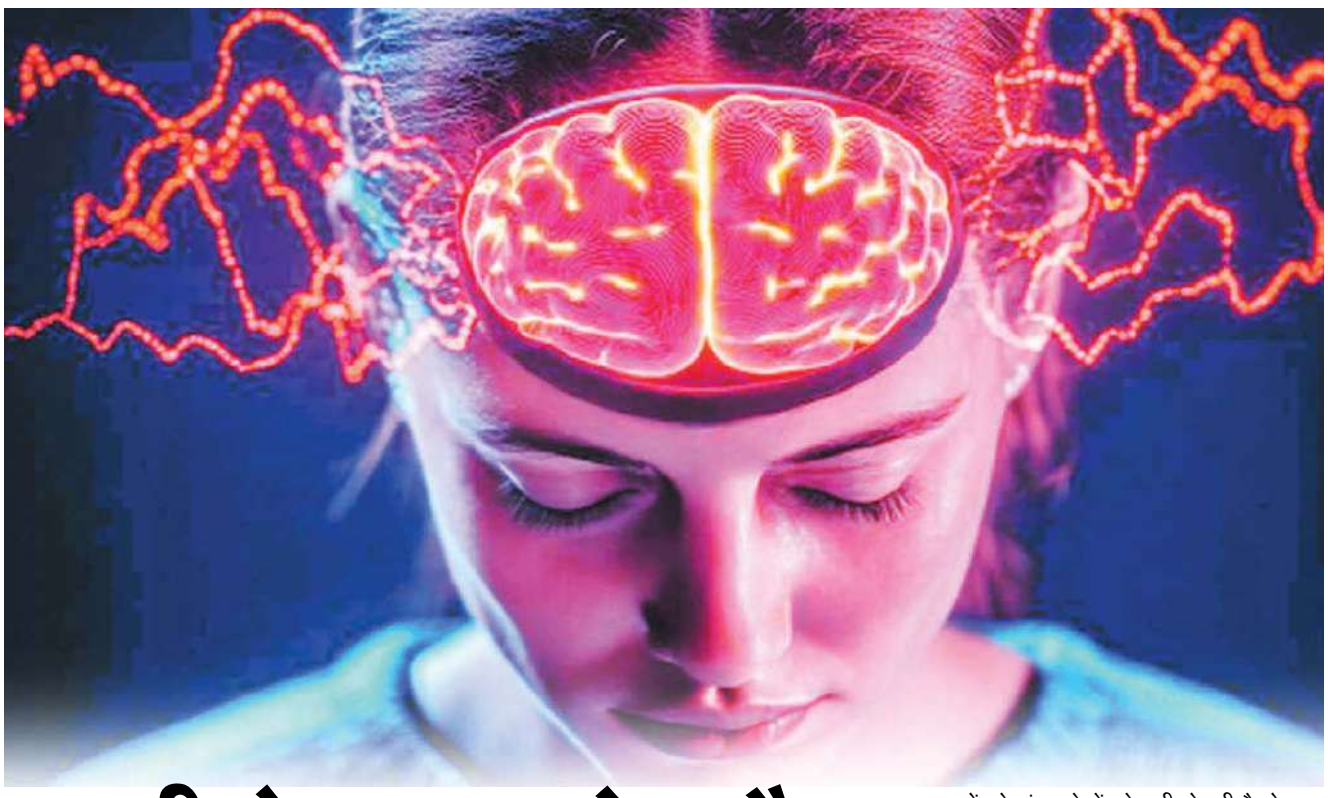

मम्मी ब्रेन क्या होता है? कारण और लक्षण

प्रेग्नेंसी में कई महिलाओं में भावनात्मक बदलाव आते हैं। कुछ महिलाओं को मम्मी ब्रेन की समस्या हो जाती है।

मां बनना एक महिला के लिए दुनिया का सबसे खूबसूरत एहसास होता है। मदरहुड जर्नी बेहद खूबसूरत होती है। हालांकि इस दौरान महिलाओं को कई तरह की मुश्किलें भी आती है। प्रेग्नेंसी से लेकर प्रसव के बाद तक महिलाओं की फिजिकल हेल्थ के साथ ही उनकी मेंटल हेल्थ पर भी असर पड़ता है। कई सारे भावनात्मक बदलाव आते हैं। कई महिलाएं तो प्रेगनेंसी ब्रेन या मम्मी ब्रेन की शिकार हो जाती हैं। आइए विस्तार से जानते हैं मम्मी ब्रेन के बारे में।

क्या होता है मम्मी ब्रेन?

प्रेग्नेंसी के दौरान और मां बनने के बाद कई सारे भावनात्मक बदलाव आते हैं। इस दौरान कई महिलाओं को भूलने की बीमारी हो जाती है। मां बनना शारीरिक, इम्यून फंक्शन और व्यवहार में नाटकीय बदलावों से जुड़ा होता है जो गर्भावस्था के दौरान शुरू होते हैं और प्रसव के बाद भी जारी रहते हैं। महिलाएं छोटी-छोटी बातें भूलने लगती हैं जैसे वह किचन में क्या काम करने के लिए गई थी उन्होंने अपना सेल फोन कहां रख दिया , वह किसे फोन लगाने वाली थीं, वगैरा-वगैरा... इस सिचुएशन को ही मम्मी ब्रेन के नाम से जाना जाता है। यह समस्या कुछ समय के लिए होती है और धीरे-धीरे आगे चलकर अपने आप ही ठीक हो जाती है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के मुताबिक ऐसा गर्भावस्था के पहले तीन से चार महीने में होता है और यह गर्भावस्था के बाद तक बना रहता है।

मम्मी ब्रेन के लक्षण

- फोकस में कमी
- छोटी-छोटी चीजों को भूल जाना
- नींद पूरी न होना
- काम में मन न लगना
- तनाव और चिंता में होना
- हर समय थकान लगना

मम्मी ब्रेन से कैसे निपटें

- तनाव से दूर रहने के लिए मेडिटेशन करें।
- खुद के लिए थोड़ा वक्त निकालें।
- पर्याप्त नींद लें।
- बच्चों को संभालने में परेशानी हो रही है तो दूसरों की मदद लें।
- पौष्टिक आहार खाएं।
- घूमने फिरने जाएं।
- आपको जो एक्टिविटी पसंद है वही करें।
- तनाव होने पर अपनों से बात करें।

एरोबिक व्यायाम के साथ अपने दिल को स्वस्थ रखें

एरोबिक व्यायाम न केवल मजबूत हड्डियों के निर्माण, मांसपेशियों की ताकत, धीरज और लचीलेपन में सुधार करने के लिए फायदेमंद होते हैं, बल्कि हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, स्ट्रोक, मधुमेह और कुछ कैंसर के जोखिम को कम करने के लिए भी फायदेमंद होते हैं। शोध से पता चलता है कि यह केवल छह महीनों में आपकी सोच और याददाश्त में सुधार कर सकता है। ऑर्थोपेडिक स्पोर्ट्स सर्जन वोंडा राइट, एमडी, एफएओओएस कहते हैं '' चलना, दौड़ना, साइकिल चलाना, तैराकी और क्रॉस कंट्री कुछ लोकप्रिय एरोबिक गतिविधियां हैं। अपने एरोबिक व्यायाम से अधिक लाभ उठाने के लिए, लचीलापन और ताकत प्रशिक्षण अभ्यास को अपनी फिटनेस दिनचर्या में शामिल किया जाना चाहिए।''

'' अपने कार्डियोवैस्कुलर सिस्टम को मजबूत करने के लिए, हर बार जब आप व्यायाम करते हैं तो अपनी लक्षित हृदय गति पर अपनी हृदय गति को 20 से 60 मिनट तक बढ़ाना महत्वपूर्ण है। अपने लक्षित हृदय गति पर व्यायाम करना सुनिश्चित करता है कि आपका शरीर लाभ प्राप्त करने के लिए पर्याप्त ऊर्जा का प्रयोग कर रहा है। यह सटीक रूप से ट्रैक करने के लिए कि आपका शरीर कितनी मेहनत कर रहा है, अपनी लक्षित हृदय गति की गणना करें और प्रति मिनट धड़कन को ट्रैक करें। आपके लक्षित हृदय गति को निर्धारित करने के लिए एक सामान्य गणना आपकी आयु से 220 मिनियुस है।''डॉ राइट कहते हैं कि व्यायाम का एफआईटीटी सिद्धांत एरोबिक गतिविधि के लिए पालन करने के लिए एक प्रभावी दिशानिर्देश है। अमेरिकन एकेडमी ऑफ ऑर्थोपेडिक सर्जन एरोबिक गतिविधि में भाग लेने के दौरान चोट को खत्म करने के लिए इन सुरक्षा युक्तियों का सुझाव देते हैं। अपने डॉक्टर ने सलाह दी कि यदि आपकी मौजूद स्थिति, अधिक वजन वाले हैं, धूम्रपान करने वाले हैं या कुछ समय से सक्रिय नहीं हैं, तो एक नया व्यायाम दिनचर्या शुरू करने से पहले अपने चिकित्सक से परामर्श करें। वहीं हाइड्रेट और निर्जलीकरण के हल्के स्तर भी एथलेटिक प्रदर्शन को नुकसान पहुंचा सकते हैं। यदि आपके पास पर्याप्त तरल पदार्थ नहीं हैं, तो आपका शरीर पसीने और वाष्पीकरण के माध्यम से खुद को प्रभावी ढंग से ठंडा नहीं कर पाएगा।

रोज सुबह खाली पेट पिएं यह आयुर्वेदिक चाय

अगर आप पेट की गैस, ब्लोटिंग, अपच, एक्ने या फिर पीरियड्स के दर्द से परेशान हैं, तो यह चाय खास आपके लिए है। घर के मसालों से बनी यह आयुर्वेदिक चाय कई बीमारियों को दूर करती है। आज के समय में सेहतमंद रहना थोड़ा मुश्किल हो गया है। खान-पान की गलत आदतों, अनियमित जीवनशैली, बढ़ते तनाव और भी कई वजहों से लोग बीमारियों की चपेट में आने लगे हैं। हेल्दी रहने के लिए शरीर में कई विटामिन्स, मिनरल्स और अन्य न्यूट्रिएंट्स का सही लेवल में होना जरूरी है। इसके अलावा, शरीर में हार्मोन्स भी सही लेवल में होने चाहिए। कई बीमारियों से बचाव के देसी नुस्खे हमारे घरों में ही मौजूद हैं। अगर आप पेट की गैस, ब्लोटिंग, अपच, एक्ने या फिर पीरियड्स के दर्द से परेशान हैं, तो यह चाय खास आपके लिए है। इसके अलावा भी इस चाय के कई फायदे हैं।

जीरा, सौंफ और धनिये के बीजों की चाय के फायदे

- इससे ब्लोटिंग, इनडाइजेशन, जी मिचलाना, सिरदर्द और पीरियड्स में होने वाला दर्द कम होता है।
- अगर आपको खाना खाने के बाद पेट फूला हुआ महसूस होता है या फिर गैस बनती है, तो यह आपके लिए फायदेमंद है।
- शरीर में वात-पित्त-कफ का बैलेंस बनाकर यह चाय गट हेल्थ को भी सुधारती है।
- इस चाय में इस्तेमाल की जाने वाली तीनों चीजें वात को हरती हैं, यानी गैस को दूर करती हैं और पाचक रस को उत्तेजित करती हैं, डाइजेस्टिव फायर को जलाए रखने में मदद करती है, जिससे हम जो भी खाते है, वह सही से पच पाता है।
- इससे शरीर में मौजूद टॉक्सिन्स भी दूर होते हैं और खाने से न्यूट्रिएंट्स सही तरह से हमारे शरीर में पहुंचते हैं।
- कई बार गैस के कारण खाना खाने के बाद उल्टी आती है, ऐसे में यह चाय आपकी मदद कर सकती है।
- लिवर और किडनी को डिटॉक्स करती है।
- शरीर में इंफ्लेमेशन को कम करती है और फैटी लिवर के पेशेंट्स के लिए अच्छी होती है।
- इससे गट हेल्दी रहता है और स्ट्रेस भी दूर होता है।
- ब्लड ग्लूकोज को बैलेंस करती है।
- भूख को बढ़ाती है।

कैसे बनाएं?

सामग्री

- जीरा- 1 टेबलस्पून
- धनिये के बीज- 1 टीस्पून
- सौंफ के बीज- 1 टेबलस्पून
- पानी- लगभग 2 गिलास

विधि

- सभी चीजों को पानी में डालें।
- इसे लगभग 7-10 मिनट तक उबालें।
- अब इसे छान लें।
- आपकी हेल्दी आयुर्वेदिक चाय तैयार है।

कब पिएं?

- इस चाय को खाली पेट पीना सबसे अच्छा माना जाता है।
- आप इसे खाना खाने के 1 घंटे बाद भी पी सकती हैं।

नोट- प्रेग्नेंसी के दौरान यह चाय नहीं पीना चाहिए क्योंकि सौंफ गर्भवती महिलाओं को नुकसान पहुंचा सकती है। इसके अलावा, अगर आपको कोई हेल्थ से जुड़ी समस्या है, तो इस चाय को शुरू करने से पहले एक बार डॉक्टरी सलाह जरूर लें।

बारिश ने उमस भरी गर्मी को धो डाला

● कल की बारिश ने तोड़ा गर्मी का स्पेल, दिल्ली से मॉनसून की विदाई का समय नजदीक

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले कुछ दिनों से गर्मी और उमस का दौर बुधवार को हुई हल्की बारिश के बाद थम गया। मौसम विभाग ने गुरुवार को भी राजधानी के विभिन्न हिस्सों में हल्की बारिश की संभावना जताई है। आसमान में हल्के बादल छाये रहेंगे। हालांकि उमस भरी गर्मी लोगों को परेशान कर सकती है।

पिछले कुछ दिनों से दिल्लीवासी गर्मी और उमस के डबल अटैक से जूझ रहे थे, लेकिन कल आई बारिश ने जैसे ब्रेक का बटन दबा दिया। आईएमडी के आंकड़ों के अनुसार, सफदरजंग मौसम केंद्र पर सबसे ज्यादा 45.2 मिमी बारिश रिकॉर्ड हुई, जबकि अन्य इलाकों में हल्की से मध्यम बौछारें देखने को मिलीं। दिन में आंशिक बादल छाए रहने के बाद दोपहर होते-होते आकाश पूरी तरह काले बादलों से पट गया। अधिकतम तापमान 35.3 डिग्री सेल्सियस पर रुक गया, जो सामान्य से महज 1.5 डिग्री ज्यादा था। न्यूनतम तापमान भी 25.6 डिग्री पर रहा, जो औसत

से थोड़ा ऊपर था, लेकिन बारिश की ठंडी हवा ने सब कुछ सहज कर दिया। आईएमडी के विशेषज्ञों का कहना है कि यह बारिश एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ और मॉनसून ट्रफ के दक्षिण की ओर खिसकने का नतीजा थी। आईएमडी ने आज दिल्ली के लिए हल्की बारिश या बूंदाबांदी का पूर्वानुमान जारी किया है। सुबह के समय तापमान करीब 26 डिग्री के आसपास रहेगा, जो दोपहर तक 33-34 डिग्री तक चढ़ सकता है। नमी का स्तर 70-80 तक रहने से उमस तो बनी रहेगी, लेकिन बारिश की बूंदें इसे काट देंगी। हवा की गति हल्की (5-10 किमी/घंटा) रहेगी। आईएमडी के मुताबिक, अगले 24 घंटों में 10-20 मिमी बारिश हो सकती है।

2025 का दक्षिण-पश्चिम मॉनसून इस साल एक्स्ट्रा एनर्जेटिक साबित हुआ है। आईएमडी के अनुसार, जून से सितंबर तक पूरे भारत में मौसमी वर्षा सामान्य से 8 प्रतिशत अधिक रही, जिसमें दिल्ली ने अगस्त में 72 अ अतिरिक्त बारिश रिकॉर्ड की - जो एक दशक से ज्यादा समय का रिकॉर्ड है। लेकिन अब विदाई का वक्त आ गया है। 14 सितंबर को मॉनसून राजस्थान के कुछ हिस्सों से पीछे हट चुका है और दिल्ली से सामान्य विदाई तारीख 25 सितंबर के आसपास है।

जी कंपनी करेगी संपत्ति का सर्वे, टैक्स का नोटिस भी देगी, एमसीडी का नया प्लान समझिए

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के लोगों की संपत्तियों का सर्वे और टैक्स का नोटिस देने का जिम्मा एमसीडी एक निजी कंपनी को सौंपने जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि एक निजी एजेंसी को काम पर रखने की प्रक्रिया अब अंतिम चरण में है, और उम्मीद है कि यह एजेंसी नवंबर तक काम शुरू कर देगी। संपत्ति कर (प्रॉपर्टी टैक्स) वसूली को मजबूत बनाने की योजना के तहत, इस निजी एजेंसी के एजेंट पूरे एनसीआर क्षेत्र में भौतिक सर्वेक्षण करेंगे, संपत्तियों की जियो-टैगिंग करेंगे, और कंप्यूटर से इकट्ठा किए गए स्व-मूल्यांकन डेटा के साथ टैक्स नोटिस देंगे।संपत्ति कर विभाग के एक वरिष्ठ एमसीडीष्ठ अधिकारी

ने कहा, एक बार वित्तीय बोलियां साफ हो जाने के बाद, चुनी गई एजेंसी को यह काम सौंप दिया जाएगा। एजेंसी के पास पूरे शहर में भौतिक सर्वेक्षण करने, संपत्तियों की जियो-टैगिंग करने, टैक्स नोटिस देने और कंप्यूटर सिस्टम के माध्यम से स्व-मूल्यांकन डेटा संकलित करने के बाद अपनी रिपोर्ट जमा करने के लिए एक साल का समय होगा। प्रोत्साहन के तौर पर, वसूली गई राशि का एक हिस्सा उन्हें भी मिलेगा।

इस एजेंसी की ओर से जुटाई गई जानकारी के आधार पर एक सामान्य संपत्ति डेटाबेस बनाया जाएगा, जिसमें व्यावसायिक और आवासीय संपत्तियां, ऑफिस स्पेस और खाली जमीन शामिल होंगी। संपत्ति कर की वसूली, आर्थिक तंगी से जूझ रहे दिल्ली नगर निगम के लिए आय के मुख्य स्रोतों में से एक है।

दुकान में सो रहा था चायवाला, पुलिस की पीसीआर वैन ने मार दी टक्कर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के थाना मंदिर मार्ग इलाके में गुरुवार सुबह एक दिल दहला देने वाला हादसा हुआ। दिल्ली पुलिस की पीसीआर वैन ने एक राहगीर को कुचल दिया। पुलिस के मुताबिक, ड्राइवर ने गलती से एक्सीलेटर दबा दिया, जिससे वैन सड़क किनारे के रैंप पर चढ़ते हुए उस शख्स पर चढ़ गई, जिसकी मौके पर ही मौत हो गई।

एडिशनल डीसीपी हुकम राम ने बताया कि इस दुखद हादसे में मृतक के परिजनों को मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने कहा, हम कानून के मुताबिक कार्रवाई कर रहे हैं। सीसीटीवी फुटेज की जांच की जाएगी और मृतक के परिवार को हर संभव मदद दी जाएगी। पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि गुरुवार सुबह मध्य दिल्ली के मंदिर मार्ग इलाके में एक पीसीआर वैन ने सड़क किनारे एक चाय विक्रेता की दुकान में टक्कर मार दी, जिससे उसकी 55 वर्षीय चाय विक्रेता की मौत हो गई। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पीड़ित, जिसकी पहचान गंगाराम के रूप में हुई है, सुबह करीब 5 बजे अपनी चाय की दुकान पर सो रहा था, जब यह घटना हुई।

अधिकारी ने बताया कि उसका बेटा उसके साथ दिल्ली में रहता है, जबकि उसकी पत्नी उत्तर प्रदेश के गोंडा में रहती है। अधिकारी ने कहा, पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) वैन में मौजूद दो पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उनकी मेडिकल जांच की जा रही है। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है और आगे की जांच जारी है। यह हादसा दिल्ली में हाल ही में हुए एक और चर्चित हादसे की याद दिलाता है। रविवार को एक तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू कार ने ढौला कुआं इलाके में एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिसमें वित्त मंत्रालय के डिप्टी सेक्रेटरी नवजोत सिंह (52) की मौत हो गई। नवजोत अपनी पत्नी संदीप कौर के साथ बंगला साहिब गुरुद्वारे से लौट रहे थे, जब यह हादसा हुआ। संदीप को गंभीर चोटें आई हैं।

दैनिक रणजीत टाइम्स

जिला एवं तहसील स्तर पर

एजेंसी देना है

अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें।

सम्पर्क करें

8224951278 :: 9827068888

जन्मदिन की अग्रिम शुभ सूचना

"रंजीत टाइम्स" में अब आप अपने या अपने प्रियजनों का जन्मदिन एक दिन पहले ही निशुल्क प्रकाशित करवा सकते हैं!

बस हमें भेजिए: 1 जन्मदिन मनाने वाले की फोटो

2 उसका पूरा नाम- 3 बधाई देने वाले का नाम जन्मदिन के एक दिन पहले ही विज्ञापन भेज दें, ताकि समय रहते प्रकाशित किया जा सके।

भेजने का नंबर (Aditya): 8224951278

रंजीत टाइम्स में आपका विज्ञापन पूरी तरह मुफ्त प्रकाशित किया जाएगा!
अपने जज़बातों को शब्द दें – सिर्फ रंजीत टाइम्स के साथ।
टीम रंजीत टाइम्स- "आपका अपना अख़बार, आपकी आवाज़"

रणजीत टाइम्स

'गर्व से कहो हम स्वदेशी अपनाएंगे' का उद्घोष

● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वदेशी अपनाने के लिए प्रदेशवासियों को किया प्रेरित ● कहा-स्वदेशी ही था राजा शंकर शाह व कुंवर रघुनाथ शाह के अंग्रेजों से संघर्ष का मूल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि स्वाधीनता संग्राम के अमर बलिदानी राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह ने अंग्रेजों के खिलाफ जो लड़ाई लड़ी, उसका मूल 'स्वदेशी' ही था। देश में हमारा अपना शासन और कानून होना चाहिए, इस भाव ने ही जनजातीय वीरों को विदेशी ताकतों से संघर्ष के लिए प्रेरित किया। वे अंग्रेजों के आगे कभी झुके नहीं और पिता-पुत्र (राजा शंकर शाह और रघुनाथ शाह) की जोड़ी ने एक लक्ष्य के लिए लड़ते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया और वे अमर हो गए। राज्य सरकार ने उनके बलिदान स्थल को स्मारक के रूप में विकसित किया है। अपनी संस्कृति के लिए प्रतिबद्ध राजा शंकर शाह अपने संस्कारों पर सदैव अडिग रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह के 168वें बलिदान दिवस पर गुरुवार को जबलपुर के नेताजी सुभाष चंद्र बोस कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दोनों अमर बलिदानियों को नमन कर पुष्पांजलि अर्पित की।

● **अंग्रेजों के सामने नहीं झुके, हो गए शहीद-** मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह दोनों पिता पुत्रों ने रानी दुर्गावती की परम्परा को कायम रखते हुए अंग्रेजों के खिलाफ कविता के माध्यम से आवाज उठाई। उन्होंने अंग्रेजों के सामने सीना ठोककर जंगल, जमीन और अपने राष्ट्र को बचाने के लिए गीतों की रचना की। अंग्रेज उनके विद्रोह को बर्दाश्त नहीं कर पाये और कायरता का परिचय देते हुए उन्हें तोप के मुंह पर खड़ा कर उड़ा दिया गया। अंग्रेजों ने दोनों पिता-पुत्रों को बंदी बनाकर बगैर कोई मुकदमा चलाये उन्हें तोप से उड़ाने का काम किया था। अंग्रेजों ने उनके सामने धर्म बदलने, अंग्रेजी सत्ता को स्वीकार करने और माफी मांगने की शर्त रखी और इसे मान लेने पर उनकी रिहाई के लिए तैयार थे। लेकिन दोनों पिता-पुत्रों न प्रस्ताव को नहीं माना।

● **जबलपुर की धरा जनजातीय वीरों के रक्त से हुई है सिंचित-** मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्राचीनकाल से महकौशल, महावीरों की धरती रही है, जो राजा शंकर शाह, रघुनाथ शाह और राना दुर्गावती जैसी महान विभूतियों के बलिदान को समेटे हुए है। जबलपुर की धरा जनजातीय वीरों के रक्त से सिंचित हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए शाह वंश का अदम्य साहस, अमर शौर्य और अद्वितीय बलिदान सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। मां भारती के चरणों में बलिदान देने वाले महावीर होते हैं। उनके बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। यही त्याग आने वाली पीढ़ियों के हृदय में राष्ट्रभक्ति की पवित्र ज्योति प्रज्ज्वलित करता रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कल प्रदेश के जनजातीय अंचल (धार) में अपना जन्म दिवस मनाकर प्रदेश को धन्य किया है। केंद्र और राज्य सरकार जनजातीय के लिए संकल्पित हैं।

राहुल के प्रजेंटेशन में वोटर्स डिलीट कराने का दावा

● कांग्रेस नेता ने जिनके नाम कटे,उन्हें स्टेज पर बुलाया ● ईसी बोला-आरोप झूठे,नाम ऑनलाइन डिलीट नहीं होते

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को 'वोट चोरी' पर दूसरी बार प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इससे पहले उन्होंने 7 अगस्त को मीडिया से बात की थी। राहुल ने 31 मिनट के प्रजेंटेशन में वोट चोरी के आरोप लगाए और सबूत दिखाने का दावा किया। उन्होंने कहा- चुनाव आयोग जानबूझकर कांग्रेस के वोटों को निशाना बना रहा है और उनके नाम डिलीट कर रहा है। राहुल इस बार अपने साथ कर्नाटक के ऐसे वोटर्स को भी लेकर आए, जिनके नाम वोटर्स लिस्ट से डिलीट किए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार उन लोगों की रक्षा कर रहे हैं, जिन्होंने भारतीय लोकतंत्र को बर्बाद कर दिया है। उन्होंने फिर कहा कि महाराष्ट्र, हरियाणा और यूपी में यही हो रहा है। चुनाव आयोग ने राहुल के आरोपों को गलत और निराधार बताया। कहा- कोई भी आम नागरिक ऑनलाइन किसी का भी वोट डिलीट नहीं कर सकता। किसी का वोट डिलीट करने से पहले संबंधित व्यक्ति को अपनी बात रखने का मौका दिया जाता है।

● **कांग्रेस समर्थक वोटरों के नाम हटाने की हुई कोशिश-** राहुल गांधी ने दावा किया कि उनकी पार्टी के समर्थक मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने के प्रयास हुए। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार लोकतंत्र की हत्या करने वालों और वोट चोरों की रक्षा कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ज्ञानेश कुमार को ऐसे लोगों को संरक्षण देना बंद करना चाहिए और एक सप्ताह में निर्वाचन आयोग को कर्नाटक की सीआईडी के साथ पूरी जानकारी साझा करनी चाहिए। एक उदाहरण के तौर पर राहुल गांधी ने गोदाबाई नाम की एक महिला मतदाता का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि गोदाबाई नाम की एक महिला के नाम पर फर्जी लॉगिन बनाए गए। इससे 12 वोटरों के नाम डिलीट कर दिए गए। गोदाबाई को इसकी कोई जानकारी नहीं थी। उन्होंने बताया कि इन डिलीशन के लिए इस्तेमाल किए गए मोबाइल नंबर कर्नाटक के बाहर के थे। राहुल गांधी ने कहा कि वोटर के नाम हटाने के लिए अलग-अलग राज्यों के मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल किया गया। खास तौर पर कांग्रेस के मतदाताओं को निशाना बनाया गया। इन वोटों को खास तौर पर उन बूथों पर डिलीट किया गया जहां कांग्रेस पार्टी जीत रही थी। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया सेंट्रलाइज्ड सॉफ्टवेयर प्रोग्राम से की गई। इस दौरान, गोदाबाई की राहुल गांधी ने बात भी कराई।

● **कैसे हटाए गए वोटर लिस्ट से नाम... कांग्रेस सांसद ने बताया-** राहुल गांधी ने कहा कि सीआईडी ने चुनाव आयोग को 18 पत्र भेजकर कुछ जानकारियां मांगी, लेकिन यह जानकारी नहीं दी गई क्योंकि इससे वहां तक पहुंचा जा सकेगा जहां से यह अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले के राजौरा विधानसभा क्षेत्र में इसी तरीके का इस्तेमाल करके 6850 नाम जोड़े गए। उन्होंने कहा कि एक सप्ताह में निर्वाचन आयोग को पूरा विवरण देना चाहिए और अगर ऐसा नहीं है तो फिर स्पष्ट हो जाएगा कि ज्ञानेश कुमार 'वोट चोरों' की मदद कर रहे हैं।

एमपी में बदल रहा है अब सियासी मौसम

लग्जरी कारों को छोड़ ट्रैक्टर की सवारी कर रहे मंत्री

सिंधिया की राह पर खास सिपहसालार गोविंद राजपूत

भोपाल। एमपी में एक नया ट्रेंड नजर आ रहा है, लग्जरी और महंगी गाड़ियों में घूमने वाले मंत्री इन दिनों ट्रैक्टर की सवारी करते नजर आ रहे हैं। मानसून के दौरान कीचड़ और दलदली रास्तों पर मंत्री खुद ट्रैक्टर चलाकर जनता के बीच पहुंचे रहे हैं। प्रदेश में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के बाद अब उनके सिपहसालार मंत्री गोविंद राजपूत भी ट्रैक्टर चलाकर प्रशासन को गांव लेकर पहुंचे थे। जानकारी अनुसार मंत्री गोविंद सिंह राजपूत अपने विधानसभा क्षेत्र सुरखी के बरौदासागर गांव पहुंचे थे।

यहां डैम के पास का रास्ता भारी बारिश के कारण कीचड़ और पानी से भरा हुआ था, जहां किसी भी गाड़ी का पहुंचना लगभग नामुमकिन था। ऐसे में मंत्री राजपूत ने खुद ट्रैक्टर की ड्राइविंग सीट संभाली। दिलचस्प बात यह रही कि उनके साथ ट्रैक्टर पर जिले के कलेक्टर और एसडीएम भी सवार थे। मंत्री जी खुद ट्रैक्टर चलाकर लोगों के बीच पहुंचे।

उत्तराखंड में थम नहीं रहा कुदरत का कहर

अब चमोली में फटा बादल,10 लोग लापता

हिमाचल में 419 मौतें,मसूरी में टूरिस्ट फंसे

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड में दो दिन में दूसरी बार बादल फटा है। 17 सितंबर की रात चमोली जिले के नंदानगर घाट में बादल फटा। यहां कुंटरी लंगाफली वार्ड में छह घर मलबे में दब गए। 10 लोग लापता हैं। अब तक 2 लोग रेस्क्यू किए गए। इससे पहले 16 सितंबर को देहरादून में बादल फटा था। देहरादून से मसूरी का 35 किलोमीटर का रास्ता कई जगह क्षतिग्रस्त है। इसके कारण मसूरी में 2500 टूरिस्ट्स लगातार तीसरे दिन फंसे हुए हैं। हिमाचल में इस सीजन बारिश, बाढ़, लैंडस्लाइड और अचानक आई बाढ़ से अब तक 419 लोगों की मौत हो चुकी है।

मौसम विभाग ने दोनों ही राज्यों उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश को अगले 48 घंटे हाई अलर्ट पर रखा है। देश में इस साल 24 मई को दक्षिण-पश्चिम मानसून केरल पहुंचा था। देश में अब तक (17 सितंबर) सामान्य से 8 फीसदी ज्यादा बारिश हो चुकी है। 3 राज्यों राजस्थान (पश्चिम), पंजाब और हरियाणा से मानसून की विदाई शुरू भी हो चुकी है, लेकिन इसके जाते-जाते भी देश के 7 राज्यों में तेज बारिश की संभवना है। सिस्टम के मुताबिक, सितंबर के आखिरी कुछ दिन और अक्टूबर की शुरुआत तक एक बड़े कम दबाव के क्षेत्र के साथ जबरदस्त बारिश के आसार हैं।

राहुल ने बिहार में घुसपैठिया बचाओ यात्रा निकाली:शाह

गृहमंत्री बोले-आरजेडी बांग्लादेशियों को बचाना चाहती है

रोहतास में कहा-लालू-राबड़ी बिहार के विकास के लिए खतरा

बेगूसराय (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गुरुवार को रोहतास में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। संबोधन की शुरुआत में उन्होंने कार्यकर्ताओं को मालिक कहा। शाह ने कहा, सिर्फ बीजेपी ही ऐसी पार्टी है जहां बूथ अध्यक्ष पार्टी अध्यक्ष बन सकता है। मैं भी कभी बूथ अध्यक्ष ही था। शाह ने कार्यकर्ताओं से पूछा, लालू जी, राबड़ी जी बिहार को समृद्ध कर सकते हैं क्या। उन्होंने कहा, ये लोग सिर्फ अपना और अपने परिवार का सोचते हैं। उन्होंने कहा, हमें आज यहां से तय कर के जाना है कि इस क्षेत्र की 80 फीसदी सीटें हमारे पास हो। ये संकल्प लेकर हमें जाना है। शाह ने कहा, अभी राहुल बाबा यात्रा कर के गए। क्या आपको इसका विषय पता है। इस यात्रा का विषय शिक्षा, बिजली, सड़क, रोजगार नहीं था। यात्रा का विषय था जो बांग्लादेश से घुसपैठिए आए हैं। शाह ने पूछा- आप बताइए किसी का वोट कटा है क्या। राहुल ने घुसपैठिया बचाओ यात्रा निकाली थी। अमित शाह ने कार्यकर्ताओं से कहा, ये चुनाव सरकार बनाने का नहीं है। ये

चुनाव 3 तिहाई से ज्यादा बहुमत से सरकार बनाने का चुनाव है। आप संकल्प लेकर जाइए, मोदी की नेतृत्व में बिहार में सरकार बनानी है। अमित शाह ने कहा कि, राहुल गांधी बिहार में घुसपैठियों को बचाने आए थे।

● **दो तिहाई से ज्यादा बहुमत से फिर से सरकार बनानी है-** मैं सभी कार्यकर्ताओं से कहना चाहता हूं। हमें इस बार बिहार में 2 तिहाई से ज्यादा बहुमत से सरकार बनानी है। आज से ही इस मिशन में जुट जाइए। हमने तो अपने काम गिनवा दिए अब मैं इन लोगों के भी काम गिनवा देता हूं। चारा घोटाला, लैंड फॉर जॉब. रेलवे टेंडर घोटाला। ये जेल भी जाते हैं तो हाथी से बाहर आते हैं। 2024 लोकसभा चुनाव में शाहाबाद में एनडीए का खाता तक नहीं खुला था, जबकि 2020 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी सिर्फ दो सीट ही जीत पाई थी। ऐसे में इस बार शाहाबाद पर भाजपा की विशेष नजर है। गृहमंत्री अमित शाह ने खुद कमान संभाल ली है। भाजपा के पूर्व मंत्री और चेनारी विधायक मुरारी प्रसाद गौतम ने कहा, अमित शाह के आने से विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं का हौंसला बढ़ेगा।